समझौता ज्ञापन
Memorandum of Understanding

2014-15

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड

Rashtriya Ispat Nigam Limited

&

इस्पात मंत्रालय

Ministry of Steel

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड

व

इस्पात मंत्रालय

के बीच

समझौता ज्ञापन

2014-15

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल) और इस्पात मंत्रालय (एम ओ एस) वर्ष 2014-15 के समझौता ज्ञापन हेतु सहमत हैं|

समझौता ज्ञापन में निम्नलिखित अंश शामिल हैं :

भाग-1 : राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की दृष्टि, लक्ष्य व उद्देश्य

भाग-2 : स्वायत्तता और वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन

भाग-3 : निष्पादन मूल्यांकन मापदंड और लक्ष्य

भाग-4 : सरकार की वचनबद्धता/सहयोग

भाग-5 : समझौता ज्ञापन के कार्यान्वयन और अनुश्रवण हेतु कार्यकारी योजना

भाग - I

1.0 आर आई एन एल की दृष्टि, लक्ष्य व उद्देश्य

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की विविध श्रेणियों के कर्मचारियों की भागीदारी से विरचित दृष्टि, लक्ष्य व उद्देश्य नीचे प्रस्तुत हैं :

दृष्टि

विश्वस्तरीय कंपनी के रूप में निरंतर विकसित होने के लिए

हम

- अपनी विकास क्षमताओं में वृद्धि करेंगे और लाभदायिक वृद्धि को बनाये रखेंगे|
- उच्च गुणवत्ता और प्रतिस्पर्द्धात्मक मूल्य पर उत्पादों की आपूर्ति करके ग्राहकों की पहली पसंद बनेंगे|
- कर्मचारियों की सृजनशक्ति को विकसित करने हेतु प्रेरणादायक माहौल बनायेंगे|
- उद्यम प्रबंधन में उत्कृष्टता हासिल करेंगे|
- सम्मानित निगमित नागरिक की तरह स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण सुनिश्चित करेंगे और अपने परित: के विविध समुदायों को विकसित करेंगे|

लक्ष्य

प्रौद्योगिकी उन्नयन, प्रचालन दक्षता और विस्तारीकरण के माध्यम से 20 मिलियन टन (एम टन) द्रव इस्पात उत्पादन क्षमता हासिल करना, कच्चे माल की आश्वस्त आपूर्ति का आवर्धन; मूल्य एवं गुणवत्ता के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप इस्पात का उत्पादन करना; और अंशधारकों की आकांक्षाओं पर खरा उतरना|

उद्देश्य

- निगमित योजना के अनुसार वर्ष 2014-15 तक संयंत्र की द्रव इस्पात उत्पादन क्षमता को चरणबद्ध तरीके से 6.3 मिलियन टन तक बढ़ायेंगे|
- सामयिक स्तर के अनुरूप मौजूदा धमन भट्ठियों को ऊर्जा सक्षम बनाने हेतु उनका पुनरोद्धार करके क्षमता में 0.5 मिलियन टन प्रत्येक की वृद्धि करेंगे| इस तरह वर्ष 2015-16 तक कुल तप्तधातु क्षमता 7.5 मिलियन टन हो जाएगी|
- उच्च स्तर की ग्राहक संतुष्टि हासिल करेंगे|
- संगठन में विविध कार्य-संस्कृति अपनायेंगे|
- पर्यावरण संरक्षण, उच्चस्तरीय सुरक्षा उपायों के अनुपालन एवं सामाजिक दायित्व के निर्वहन में उद्यत रहेंगे|

भाग - II

2.0 स्वायत्तता और वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन

2.1 नवंबर, 2010 में नवरत्न की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात, कंपनी आधुनिकीकरण, विस्तारीकरण और अधिग्रहण/संयुक्त उद्यम के प्रयासों के लिए लागत नियंत्रण और समयानुकूल निर्णयों हेतु मंडल की बढ़ी हुई शक्तियों का उपयोग करेगी|